Printed Pages – 2

PG-21242

M. A. (Final) Examination, 2021

HINDI

Paper : VIII

(हिन्दी निबन्ध एवं आलोचना साहित्य)

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 70

***नोट** : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी के अंक समान हैं।*

1. किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 10

(अ) ''मगर वजन चाहिए। आप समझते नहीं। जैसे आपकी यह सुन्दर वीणा है, इसका भी वजन भोलाराम की दरखास्त पर रखा जा सकता है। मेरी लड़की गाना-बजाना सीखती है। यह मैं उसे दूँगा। साधु-सन्तों की वीणा से तो अच्छे स्वर निकलते हैं। लड़की जल्दी संगीत सीख गई तो उसकी शादी हो जाएगी।''

(ब) वैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है। जिससे हमें दु:ख पहुँचा है उस पर यदि हमने क्रोध किया और यह क्रोध हमारे हृदय में बहुत दिनों तक टिका रहा तो वह वैर कहलाता है। इस स्थायी रूप में टिक जाने के कारण क्रोध का वेग और उग्रता तो धीमी पड़ जाती है, पर लक्ष्य को पीड़ित करने की प्रेरणा बराबर बहुत काल तक हुआ करती है।

(स) मैंने भी बुद्धिवादी कविताएं पढ़ी है, जिनमें ताजमहल के निर्माण पर शोक प्रकट किया गया है। जबकि मनुष्य का शव कफन के लिए भी तरह रहा है; यहाँ चीटियों के लिए आटा छीटने और मछलियों के लिए आटे की गोली फेंकने पर व्यंग्य कसा गया है, जबकि मनुष्य भूखों मर रहे हैं; जहाँ कि गुलाब की क्यारियों पर तरस खाया गया है, क्योंकि गेहूं की देश में कमी है और जहाँ कि कला की उपासना को ऐश समझा गया है, जबकि मनुष्य अभाव से ग्रस्त है।

(द) ईश्वर भी सानुकूल और सहायक उन्हीं का होता है जो अपनी सहायता आप कर सकते हैं। अपने आप अपनी सहायता करने की वासना आदमी में सच्ची तरक्की की बुनियाद है। अनेक सुप्रसिद्ध सत्य पुरुषों की जीवनी इसका उदाहरण तो है ही, वरन देश या जाति के लोगों में बल और ओज तथा गौरव और महत्त्व के आने का आत्म-निर्भर सच्चा द्वार है।

2. हिन्दी आलोचना के आरम्भिक स्वरूप की समीक्षा करें। 15

अथवा

'क्रोध' निबन्ध का सारांश लिखिए।

3. शुक्लोत्तर युग में हुए हिन्दी आलोचना के विकास को रेखांकित करें। 15

अथवा

'भोलाराम का जीव' में भ्रष्ट प्रशासनिक व्यवस्था पर व्यंग्य का विवेचन कीजिए।

4. छायावादी समीक्षा में नन्द दुलारे बाजपेयी की आलोचना-दृष्टि की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

ललित निबन्ध लेखन में विद्यानिवास मिश्र का स्थान निर्धारित करते हुए उनकी निबन्ध शैली की विशेषता बताइए।

5. हिन्दी आलोचना की विविध प्रणालियों पर सारगर्भित निबन्ध लिखिए। 15

अथवा

निबन्ध साहित्य में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का स्थान निर्धारित कीजिए।